भूटान के साथ भारत का पहला सीमा पार रेल संपर्क

स्रोत: TH

भारत ने भूटान के साथ अपने पहले **रेलवे संपर्क** की घोषणा की है। इसमें दो नई रेल लाइनें शामिल हैं—**कोकराझार–गेलेफू (असम) और बनारहाट–समत्से (पश्चिम बंगाल),** इनकी कुल लंबाई **89 किलोमीटर** होगी। यह परियोजना **भारत-भूटान द्विपक्षीय संपर्क** को मज़बूत करने और **क्षेत्रीय एकीकरण** की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण **मील का पत्थर** मानी जा रही है।

- **गेलेफू और समत्से:** गेलेफू और समत्से भूटान में 700 किलोमीटर लंबी भारत-भूटान सीमा पर स्थित प्रमुख **निर्यात-आयात केंद्र** हैं। **गेलेफू को "माइंडफुलनेस सिटी"** के रूप में विकसित किया जा रहा है।
- **भूटान सरकार द्वारा** समत्से को एक **औद्योगिक शहर के रूप में विकसित** किया जा रहा है। इन शहरों और भारत के बीच संपर्क बढ़ाने से **भारत-भूटान व्यापार** को काफी बढ़ावा मिलेगा।
- **सामरिक महत्त्व:** ये रेलवे संपर्क **भारत की पड़ोसी प्रथम नीति** को सुदृढ़ करते हैं, दक्षिण एशिया में चीन के बढ़ते प्रभाव का मुकाबला करते हैं तथा विश्वास आधारित साझेदारी को गहरा करते हैं।
  - भूटान के लिये भारत के साथ निर्बाध रेल संपर्क **भारतीय रेलवे नेटवर्क** के 1.5 लाख किलोमीटर तक पहुँच प्रदान करता है।
  - चूँकि भारत भूटान का **सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार** है और उसके **कुल व्यापार का लगभग 80% हिस्सा** भारत के साथ होता है, इसलिये यह नया रेलवे संपर्क भूटान की वैश्विक बाज़ारों तक पहुँच को भारतीय बंदरगाहों के माध्यम से और अधिक सुलभ बनाएगा। साथ ही यह परियोजना पर्यटन, औद्योगिक विकास, लोगों के बीच संपर्क और माल की सुचारू आवाजाही को भी महत्त्वपूर्ण बढ़ावा देगी।
- **भूटान को भारत की विकास सहायता:** भारत ने भूटान की 13वीं पंचवर्षीय योजना (2024-2029) के लिये 10,000 करोड़ रुपये देने का वादा किया (12वीं पंचवर्षीय योजना का दोगुना)।
- **असम के दरांगा** में एक **एकीकृत चेकपोस्ट** का उद्घाटन किया गया ताकि भूटान सहित तीसरे देशों के नागरिकों की आवाजाही सुगम हो सके। **जोगीघोफा** **अंतर्देशीय जलमार्ग परिवहन टर्मिनल** से भूटान को भी लाभ होगा।
  - दोनों देशों ने अब तक पाँच प्रमुख जलविद्युत परियोजनाओं पर सहयोग किया है — **चुखा, ताला, मंगदेछु, कुरिचु** और हाल ही में पूरी हुई **पुनात्सांगछु-II**।

और पढ़ें..: भारत-भूटान संबंध

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/indias-first-cross-border-rail-links-with-bhutan